RAN-1901000301010001

RAN-1901000301010001

M.A. Part 1 (External) Examination March - 2026

Prachine And Madhyakalin Kavya

(Vidhyapati Padavali, Jaysi, Uttarkhand, Dhananand Kavita)

Hindi : Paper : 01:C.C.01 Ancient & Medieval Poetry

Time: 3 Hours] **[Total Marks: 100**

સૂચના : / Instructions
(1) ઉપરોક્ત દર્શાવેલ વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
Fill up strictly the above details on your answer book.

Seat No.:

Student's Signature

प्र. १ 'विद्यापति पदावली' में वर्णित सौन्दर्य चित्रण पर प्रकाश डालिए। **(२०)**

अथवा

प्र. १ 'विद्यापति पदावली' में निरूपित प्रेमानुभूति पर प्रकाश डालिए। **(२०)**

प्र. २ 'पद्मावत' में निरूपित विरह-वर्णन को सोदाहरण समझाइए । **(२०)**

अथवा

प्र. २ 'पद्मावत' में निरूपित दार्शनिकता पर प्रकाश डालिए। **(२०)**

प्र. ३ 'उत्तर काण्ड' के आधार पर राम का चरित्रांकन कीजिए । **(२०)**

अथवा

प्र. ३ कला पक्ष की दृष्टि से 'उत्तर काण्ड' का मूल्यांकन कीजिए। **(२०)**

प्र. ४ 'घनानंद कबित्त' के आधार पर धनानंद की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए । **(२०)**

अथवा

प्र. ४ 'घनानंद कबित्त' में निरूपित काव्यगत विशेषताओं को सोदाहरण समझाइए। **(२०)**

प्र. ५ **टिप्पणी लिखिए (किन्हीं दो)** **(२०)**

१. भक्तिकाल : हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग।
२. सूफ़ी काव्य परंपरा ।
३. तुलसी दास ।
४. रीतिकालीन स्वच्छंद काव्यधारा ।